http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

फौलादी सिंह और डा. जॉन का आतंक

कथानक :- जमीर | सम्पादक :- गुलशन राय | चित्रांकन :- जुगल किशोर

डा. जान का सिंगल सीटर विमान बादलों को चीरता हुआ न्यार्क की ओर बढ़ रहा था —

अचानक कम्प्यूटर खतरे का संकेत देने लगा ।

डेंजर - डेंजर - डेंजर - - -

डा. जान ने कम्प्यूटर का एक बटन पुश किया -

खतरा किस प्रकार का है ?

विमान की मशीनरी की कार्य-क्षमता घटती जा रही है ।

ओह ! लेकिन क्यों - - ?

मशीनरी को मेग्नेट किरणें प्रभावित कर रही हैं - - - -

प्यारे बच्चों, अगले माह से 'डायमण्ड कामिक्स' की 'वीडियो कैसेट' आपका मनोरंजन, आपके घर, आपके टेलीविजन पर करेगी । http://ashishpathak-comics.blogspot.com/ उपलब्ध होगी । मूल्य 125/- रुपये, साथ में 20/- रुपये की आडियो कैसेट मुफ्त ।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

हम आठ हजार फीट ऊपर उड़ रहे हैं. इस ऊंचाई पर इतनी रेडियोधर्मी मैग्नेट किरणें कहां से आ गईं जो विमान की मशीनरी को प्रभावित कर रही हैं ?

इससे पहले कि कम्प्यूटर कोई जवाब देता...

ओह-मैं स्टेयरिंग पिछे खींचे पकड़े हुए हूं फिर विमान अपनी आदिशा क्यों बदल रहा है...?

तीन किमी. आगे एक विमान उड़ रहा है हमारी मशीनरी को प्रभावित करने जरूर वहीं मैग्नेट किरणें उसी से निकल रही है. विमान की दिशा भी उन्हीं के कारण बदली है.

मैं अभी उस विमान को इस हरकत का मजा चखाता हूं...

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

डा. जान डेश बोर्ड में लगे बटनों को पुश करने लगे.....

तभी.....

बेकार है डा. जान तुम्हारे विमान की सारी मशीनरी जाम हो चुकी है. सिर्फ कैमरे और कम्प्यूटर ही काम कर रहे हैं.

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

क... कौन हो तुम?ऐसा हरकत का मतलब क्या है?

मुझे प्रो. कोफमंग कहते हैं, यह सारी कार्यवाही तुम्हारे अपहरण के लिए की जा रही है....

क्या करोगे मेरा अपहरण करके...?

मैं विश्व सम्राट बनना चाहता हूँ. उसके लिए मुझे तुम्हारे टापू जैसे अति आधुनिक अड्डे की जरूरत है. मैं यह भी जानता हूं कि तुम मुझे विश्व सम्राट नहीं बनने दोगे, इसलिए तुम्हारा अपहरण करना जरूरी है.

प्रो. कोफमंग की बातों में लगा देख डा. जान ने कम्प्यूटर को एक संदेश नोट कराया -

उपग्रह ए-वन को मेरे अपहरण की सूचना दो, ताकि वह यह खबर टापू और फौलादी सिंह तक पहुंचाकर सहायता भिजवाए....।

ओ. पी.

हा-हा हा डा. जान, मैंने तुम्हारे बारे में पूरी जानकारी हासिल करने के बाद तब पर हाथ डाला है।

'खतरनाक हाड़कू' के साथ 'फौलादी सिंह' की अजीबोगरीब टक्कर अगले माह पढ़िये—फौलादी सिंह और

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

तुम टापू और फौलादी सिंह से न तो अभी बातें कर सकते हो और न उपग्रह के जरिये उन तक कोई सन्देश भिजवा सकते हो तुम्हारे विमान की ट्रांसमीटर लाइन के साथ मैंने कम्प्यूटर की रेडियो फ्रीक्वेंसी भी जाम कर दी है।

ओह!

तुम मेरा अपहरण करने में जरूर सफल हो गये हो, पर मेरी — आड़ लेकर तुम विश्व सम्राट हरगिज नहीं बन पाओगे।

मैंने ऐसा प्लान और मशीन बनाई है कि विश्व सम्राट बनने से मुझे कोई नहीं रोक पाएगा - - - - ।

फौलादी सिंह रोकेगा तुम्हें . . .

वह तुम्हारे सारे प्लान और मशीनों को धज्जियाँ उड़ा देगा।

हा - हा - हा उसे भी मैं तुम्हारी तरह कैद कर लूंगा

अच्छा अब बाकी बातें बाद में होंगी, तुम्हारी मंजिल आ गई है।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

इस समय बाज़ी तुम्हारे हाथ में है,जो चाहे करा लो प्रो.,पर याद रखना,तुम्हारा अन्जाम बहुत बुरा होगा.....।

मास्टर के सिर मुंह से कोई गलत बात निकली तो ज़ुबान खींच लूंगा।

धम

आऽह

तभी एक स्टेशन वैगन उनके पास आ रुकी.....।

चलो,बैठो।

गन मैन ब्लू जान के साथ पीछे बैठ गये. चांग ड्राइवर के पास जा बैठा - वैगन तेजी से एक ओर चल दी.....।

एक लम्बा रास्ता तय करती हुई वैगन एक विशाल पहाड़ी में समा गई.....।

फौरन वह पहाड़ी द्वार बन्द हो गया और वैगन एक प्लेट-फार्म के जरिये धरती में समाने लगी.....।

लगता है प्रो. कोफांग ने इस टापू पर अन्डर ग्राउन्ड दुनिया बसा रखी है....।

अगले माह– 'डायमण्ड कामिक्स' की सनसनी, थ्रिल व रोमांच से भरपूर कामिक 'अग्निपुत्र और डैथाल पढ़ना
...चा चौधरी' की आडियो कैसेट फ्री प्राप्त करें।
http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

दस मिनट बाद.....।

वैलकम डा. जान, वैलकम

तुम मुझे नहीं, अपनी बरबादी को वैलकम कर रहे हो. मेरे अपहरण की बात ज्यादा देर तक छुपी नहीं रहेगी. जैसे ही फौलादी सिंह को पता चला, उसे यहां पहुंचने देर नहीं लगेगी.

फौलादी सिंह यहां आएगा जरूर, पर उस तरह नहीं, जिस तरह तुम सोच रहे हो. वह यहां अपने आप आकर कैदी बनेगा..।

रही तुम्हारे अपहरण की बात दुनियावालों को पता चलने की तो उसका भी मैंने इंतजाम कर रखा है

यह कह कर उसने ताली बजाई.....।

अगले ही पल.....।

हैलो भाई ओरिजनल

डा. जान आश्चर्य से उछल पड़े.....।

मेरा..... डुप्लीकेट..!

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

जीवन में भर लो रंग
डायमण्ड कॉमिक्स के संग

भारत में सर्वाधिक बिकने वाले कॉमिक्स

डायमण्ड कॉमिक्स

अब

ऑडियो कैसेट

में भी !

अब सुनिए अपने मनपसन्द चरित्रों के रोचक, रोमांचक और मनोरंजन से भरपूर कारनामें अपने घर में, अपने टेपरिकार्डर पर।

- चाचा चौधरी
- महाबली शाका
- चाचा भतीजा
- अग्निपुत्र अभय
- फौलादी सिंह
- राजन इकबाल
- लम्बू मोटू
- ताऊजी

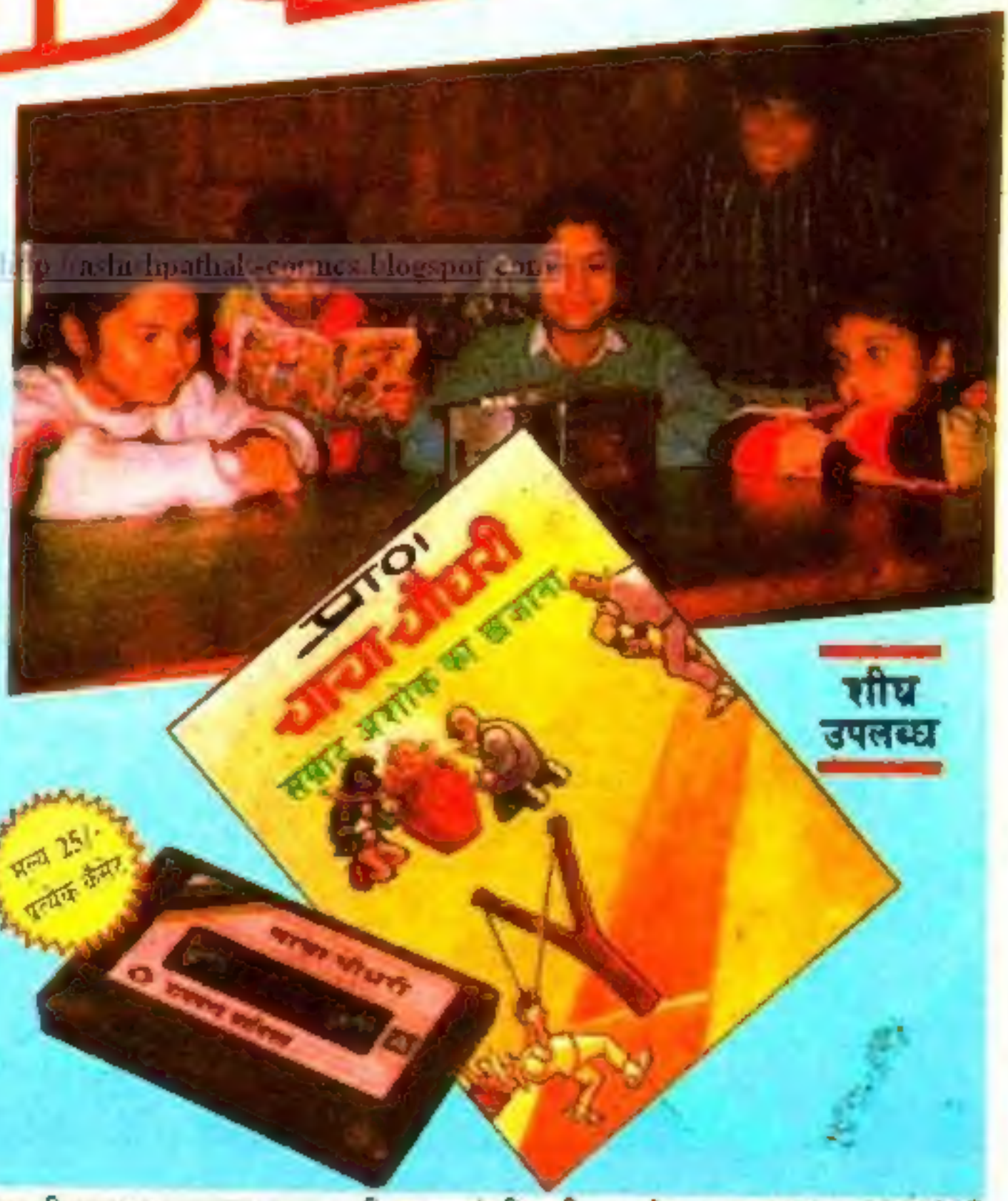

शीघ्र उपलब्ध

विशेष जानकारी के लिए लिखें—पंजाबी पुस्तक भण्डार 257, दरीबा कलां, दिल्ली- 6 फोन : 3266232, 3266317

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

है न बिल्कुल तुम्हारा हमशक्ल! यह तुम्हारी जगह न्यूयार्क जायेगा –

तुम्हारी जानकारी के लिए बता दूं कि तुम जिस रेडियो तरंग निकालने वाले मुर्दा शरीर को देखने जा रहे थे...

...वह कल रात अमरीका में नजर आने वाली उड़न तश्तरी से नहीं फेंक गया था, तुम्हें टापू से बाहर निकालने के लिए उसे मैंने फिंकवाया था....

...मैंने एक लाश की प्लास्टिक सर्जरी करके उसका चेहरा अजीब सा कर दिया था ताकि वह किसी दूसरी दुनिया का वासी लगे और उसके शरीर में रेडियो एक्टिव तरंगें इनजेक्ट कर दी थी।

...मैं जानता था यह बात जैसे ही तुम्हें पता चलेगी, तुम उसे दूसरी दुनिया का मानव समझ कर उस लाश का परिक्षण करने अमेरिका जरूर जाओगे, देख लो कितनी आसानी से फंस गये तुम मेरी चाल में....

अगर वह तुम्हारी चाल थी तो तुम मेरे डुप्लीकेट को न्यूयार्क क्यों भेज रहे हो ?

दो कारणों से भेज रहा हूं,

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

एक तो तुम्हारे अपहरण की खबर न फैलने पाए, दूसरे तुम्हारे डुप्लीकेट को तुम्हारे टापू में प्रविष्ट भी कराना है ....

किसी का डुप्लीकेट बना देना कोई मुश्किल काम नहीं है, मेरी चाल-ढाल, आवाज और आदतें उतनी जल्दी कैसे सिखाओगे इसे...?

फौलादी सिंह, जम्बू, सुपर फाइव से ज्यादा देर इसका भेद छुपा नहीं रह सकेगा...

हा-हा-हा मैंने सब कुछ सोचकर प्लान बनाया है. बस तुम यहां बैठकर चुपचाप तमाशा देखो...

वो तो मैं देखूंगा ही...

डा. जान का टू सीटर विमान न्यूयार्क एयरपोर्ट पर उतरा, अमरीकी अधिकारी उनके स्वागत के लिए बढ़े....

अचानक.....

कार्टूनिस्ट प्राण के शरारती पात्र 'बिल्लू' से मिलिए अगले माह बिल्लू और तोप में। साथ में 'बिल्लू' का

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

अरे यह क्या हुआ ?

लगता है हार्ट अटैक हुआ है.

फौरन स्म्बूलैंस वहां पहुंच गई - - - - ।

डा. जान के बापू खबर करो देखो वहां से क्या कहा जाता है - - - ?

ओ. के. सर - - - ।

कुछ देर बाद - - - ।

हैलो - हैलो अरजेंट मैसेज फ्रम न्यूयार्क ।

रोबो आपरेटर फ्रम टापू - मैसेज रीसिव ओवर - - - ।

डा. जान को हार्ट अटैक हुआ हैं. हमने उन्हें हास्पिटल भेज दिया है. उनका इलाज यहीं कराया जाए या टापू भेज दिया जाए - - ?

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

वेट कैजिरू. मैं सुपर फाइव से पूछकर बताता हूं.

रोबो आपरेटर ने सुपर फाइव से सम्पर्क किया और पूरी बात बताई।

उनसे कहो हम डा. जान को लेने खुद आ रहे हैं तबतक उनकी देख भाल अच्छी तरह की जाए।

ओ. के.

उसने ट्रांसमीटर पर सुपर फाइव का मैसेज दोहरा दिया.

डा. जान हमारे मेहमान हैं. हम आपके आने तक उन्हें वी. आई. पी. ट्रीटमेंट देते रहेंगे.

थैंक्यू.

आपरेटर से बात करने के बाद सुपर फाइव ने स्पेस स्टेशन से सम्पर्क किया...

हैलो. फ्लाइंग आफीसर कोठारी आन दी लाइन.

हमें तुरन्त चुवार्के जाना है दस मिनट के अन्दर सुपर स्पीड विमान रेडी करवाओ.

दस मिनट बाद विमान की ओर

सुपर, फैलादी सिंह और लम्बू को साथ लेलेते तो अच्छा था।

पहले मैंने भी यही सोचा था डा. सान्याल।

पर उन्हें खबर करने और उनके यहां पहुंचने में दो घण्टे लग जाते इतनी देर में तो हम आधा रास्ता तय कर चुके होते।

सुपर ठीक कह रहे हैं डा. सान्याल ने.

डायमण्ड कामिक्स अगले माह से विश्वविख्यात पात्र स्पाईडर मैन के कारनामे लेकर आ रहे हैं। साथ में

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

कुछ क्षणों के पश्चात विमान ने उड़ान भरी -

ऑपरेटर फौलाद और लम्बू को खबर कर देना ताकि वापसी में वह लोग यहां मौजूद रहें

ओ. के. सुपर

डा. जान को लेकर वह वापस आ गये

हैलो हैलो सुपर फाइव कंपलिंग रास्ता खोलो

कोड बोलो

सुपर फाइव माइनस वन -

ओ. के. रास्ता खोला जा रहा है

अगले ही पल टापू के बंट गई - - और -

हिस्से की जमीन दो भागों में

विमान खाली जगह में समा गया - - -

कुछ देर बाद - -

कैसी तबियत है अंकल की -

अटैक पावर फुल था पर अब घबराने की बात नहीं है लेकिन इन्हें आराम की सख्त जरूरत है

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

अगले दिन -

ट्रिन-ट्रिन
ट्रिन ट्रिन
ट्रिन ट्रिन

लम्बू ने झटपट लगाई और स्टूल पर पहुंच गया -

वाह लम्बू स्पीकर्स ।

डा० जान तुम्हें और फैसलाट को याद कर रहे हैं ।

हम फौरन पहुंच रहे हैं

किसकी काल थी ?

डा० सान्याल की । अंकल ने हमें बुलाया है ...

कुछ देर बाद -

आपने हमें बुलाया अंकल ?

हां, बताता हूं ।

डा० अब तुम आराम करो, जरूरत होगी तो मैं तुम्हें बुला लूंगा ।

ठीक है ।

और अब हर माह सुनिये, अपने मनपसंद चरित्रों के रोमांचक एवं मनोरंजन से भरपूर कारनामें, अपने घर

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/ स आडियो कैसेट में—दो सम्पूर्ण कामिक्स । मूल्य 25/— रुपये

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

सान्याल के जाते ही ·

तुम दोनों कांगा टापू चले जाओ . वहां मेरा मित्र प्रो. कोफांग रहता है वह एक पैकेट देगा, उसे संभाल कर लाना है ·

मेरी तबीयत ठीक होती तो मैं खुद जाता ·

आपके आवाज़ को क्या हुआ है अंकल, कुछ बदली बदली सी लग रही है ·

टैबलेट कैप्सूल खाने से गले में कुछ खराश सी हो गई है उसी लिए आवाज़ बदली हुई लग रही है ·

आप आराम कीजिए, हम पैकेट लेने जा रहे हैं ·

एक मिनट रुको

वह अलमारी खोलो. उसमें दो ड्रैस रखी हैं इन पोशाकों को उतार कर उन्हें पहन लो · ·

न लेकिन अंकल

फिर ड्रैस चेंज क्यों करवा रहे हो

घबराओ नहीं उन नई ड्रैसों में वह सारी वैज्ञानिक शक्तियां मौजूद हैं जो पुरानी पोशाकों में हैं ·

प्रो० कोफांग ने अपने टापू की सुरक्षा के लिए मेरी तरह कुछ खतरनाक किरणों का जाल फैला रखा है नई ड्रैस में उन किरणों से रक्षा करने वाला कवच मौजूद है ·

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

दोनों अन्दर वाले कमरे में जाकर नई ड्रेसें पहन आयें

एक बात का ध्यान रखना, प्रो. कोफलंग तक पहुंचने वाला अपने हथियार साथ लेकर नहीं जा सकता इसलिए उसके आदमी तुम्हारे हथियार मांगें तो अपने किसी भी तरह न देने में हिचकिचाना मत.

ठीक है अंकल.

दोनों के जाने के बाद डा. जान ने दरवाजा बन्द किया और -

हैलो · हैलो प्रो. न्यांग क्लिंग ओवर ·

हैलो प्रो. न्यांग क्या रहा, कुछ गड़बड़ तो नहीं हुई ?

कोई गड़बड़ नहीं हुई मास्टर सब कुछ आपके प्लान के अनुसार हुआ मैंने फौलादी सिंह और लम्बू को रवाना कर दिया है.

गुड · यहां उनके लिए पिंजरा तैयार है ·

सुपर फाइव का क्या हुआ ?

अभी तक तो डाक्टर ही मेरे सिर पर सवार थे अब वह हटे हैं तो मैं उसका रिमोट कन्ट्रोल तलाश करूंगा ·

जल्दी करो, बिना उसे रास्ते से हटाए काम नहीं चलेगा.

चिन्ता न करो जैक बस रिमोट कन्ट्रोल मिलने की देर है, उसके बाद रूपे बेकार करने में कुछ टाइम नहीं लगेगा

प्यारे बच्चों, अगले माह से 'डायमण्ड कामिक्स' की 'वीडियो कैसेट' आपका मनोरंजन, आपके घर, आपके टेलीविजन पर करेंगी। नौ पात्रों की एक घंटे की फिल्में सभी बुकस्टालों पर उपलब्ध होंगी। मूल्य 125/- रुपये, साथ में 20/- रुपये की आडियो कैसेट मुफ्त।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://in.bpathak-comics.blogspot.com

जाता –

ट्रांसमीटर जेब में रख उसने दरवाजा खोला, और पुनः से वापस आकर लेट गया

दरवाजा बाहर से बन्द कर देना ताकि कोई भी मुझे डिस्टर्ब न करे ।

ओ. के. सर

ओ. साल्वा के जाते ही उसने जेब से एक गोली निकाल कर मुंह में डाल ली ।

अब मोड़ का इन्सैक्शन असर नहीं करेगा

उसके बाद डा. जान (ओ. ब्यौंग) वहाँ की तलाशी लेने लगा ..

सुपर फाइव और अन्य रोबोटों को रिमोट कन्ट्रोल यहीं कहीं होना चाहिए

एक घंटे की तलाशी के बाद भी उसके हाथ कुछ न लगा तो वह थक कर वापस बिस्तर पर आ बैठा

– अच्छा तो यहीं पर डा. जान ने रिमोट कन्ट्रोल बगल वाले कमरे में रखा हो ।

http://aslushpathak-comics.blogspot.com

http://ashu-lhpathak-comics.blogspot.com

वह अन्दरूनी दरवाजे की ओर बढ़ा, तभी उसकी नजर सेफ पर पड़ी

मैंने सेफ की तलाशी तो ली ही नहीं

तलाशी में उसे एक अलमारी से डा० जान की पर्सनल डायरी मिली, जिसमें सेफ खोलने का कोड लिखा था ।

इसलिए उसे सेफ खोलने में कोई परेशानी न हुई ।

सेफ में डायरियां और फाइलें रखी हुई थीं, नकली डा० जान उन्हें उलट पलट कर देखने लगा ...।

सुपर फाइव का क्लोज सर्किट आधा काम तो बन गया ।

अचानक उसकी नजर एक बटन पर पड़ी ।

सेफ के अन्दर यह बटन कैसा लगा है ।

अगले ही पल ।

खट

सेफ का भीतरी भाग अलमारी के पल्ले की तरह खुल गया ।

वो मारा, मिल गया रिमोट कन्ट्रोल ।

'खतरनाक हाइकू' के साथ 'फौलादी सिंह' की अजीबोगरीब टक्कर अगले माह पढ़िये—फौलादी सिंह और

http://ashu-lhpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

यह है सुपर फाइव की स्पर्किट वायरिंग।

और यह रहा उसका ब्रेक एवाईट।

कट

उधर डा॰ जान ने तार काटा, इधर-

अरे मेरे दिमाग में यह स्पार्किंग कैसी हो रही है?

अगले ही पल-

धड़ाम

अरे सुपर को क्या हो गया?

लगता है इनके स्पर्किट में कुछ गड़बड़ी आ गई है, हमें फौरन डा॰ जान को खबर करनी चाहिए

इन्हें नींद का इंजेक्शन दिया गया है वह सो रहे हैं। जब उनकी नींद खुलेगी तब बता देंगे।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://aashupathak-comics.blogspot.com

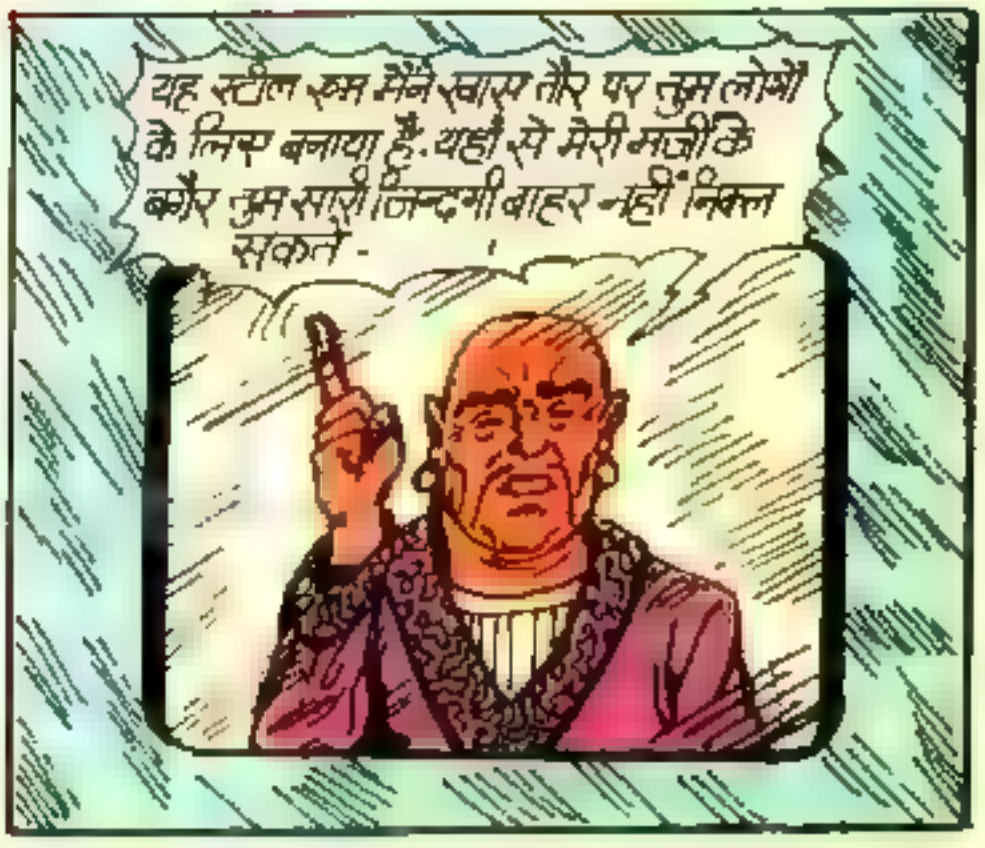

अगले माह– 'डायमण्ड कामिक्स' की सनसनी, थ्रिल व रोमांच से भरपूर कामिक 'अग्निपुत्र और देवास' पढ़ना न भूलें। साथ में 15/- मात्र की 'चाचा चौधरी' की ऑडियो कैसेट फ्री प्राप्त करें।

http://aashupathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

प्रो॰ त्यागी मेरा प्यादा है और प्यादा कभी भी बादशाह बनने की सोच सकता है इसलिए मैंने उसके शरीर मे टी॰ वी॰ कैमरा, माइक्रो कैप्सूल बम, और माइक्रो फोन छुपा रखा है ।

ओह !

अच्छा अब चलता हूँ, तुम्हारे टापू पर-विश्व सम्राट बनने के बाद बात करूंगा ।

मुझे उम्मीद नहीं थी कि तुम लोग इतनी आसानी से मेरे डुप्लीकेट के झांसे में आ जाओगे ।

इसने हार्ट अटैक का नाटक ही ऐसा खेला था कि हमें उस पर शक हुआ ही नहीं ।

एक बार पोशाक उतरवाने पर शक हुआ भी था तो उसने वजह बता कर शक दूर कर दिया

क्या वजह बताई थी उसने ?

जो हुआ सो हुआ, अब यह सोचो आगे क्या करना है. प्रो॰ कांफांस को विश्व सम्राट बनने से हम ही रोक सकते हैं वरना हमारे टापू में कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ पायेगा ।

जोगलटी सिंह ने वही बात दोहरा दी जो नकली वाला अंबने कही थी ।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

अगर उसने हमारी वैज्ञानिक [illegible] की वाई होती तो यहां से निकलना कितना आसान होता - कम्बख्तों ने किरण पिस्तौल भी ले ली, वरना वही काम आ जाती।

जो नहीं है, उसका अफसोस करना बेकार है, जो है, उससे काम चलाना है।

है ही क्या हमारे पास।

जवाब देने के बजाय फौलादी सिंह ने अपने रेडियो सम्पर्क स्थापित किया।

मेरे पास यहां से निकलने का जुगाड़ है पर उसके लिए हमें ऐसा इन्तजाम करना पड़ेगा कि यहां की बातें और दृश्य कन्ट्रोल रूम में बैठे सुने न जा सकें।

हां, यह काम बहुत जरूरी है, इसके बिना हम कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मैं यहां की तलाशी ले चुका हूं, घड़ी के ठीक बीच में टी० वी० कैमरा और माइक्रो फोन फिट हैं।

लेकिन घड़ी बहुत ऊंची है, वहां तक पहुंचा कैसे जाए, मान लीजिए किसी तरह पहुंच भी गये तो कैमरे और माइक्रो फोन पर लगाएंगे क्या...?

'महाबली शाका' ने 'गोल्ड के तस्करों' का अन्त किस खूबी से किया ? अगले माह पढ़िये–**महाबली शाका**

http://ashishpathak-comics.blogspot.com शाका' का रंगीन मुखौटा फ्री।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

हाँ, यह प्राब्लम तो सब से बड़ी है।

हर प्राब्लम का कोई न कोई हल होता है, इसका भी हल है. अगर तुम में से कोई सर्जरी कर ढेर सारा बलगम निकाल सके तो वह कैमरे और माइक्रो फोन पर कवर का काम कर सकता है।

यह काम मैं कर सकता हूं, मेरे सीने पर काफी कफ (बलगम) जमा है।

गुड।

अगले ही पल लम्बू उछल कर फौलादी सिंह के हाथों पर पहुंचा और उसने उसे [redacted] की ओर उछाल दिया।

ओ आ. क थू।

उधर कन्ट्रोल रूम में..

अरे। स्क्रीन पर सन्नाटा सा क्यों छा गया!

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://aslushpathak.com.blogspot.com

आवाज आनी भी बन्द हो गई. फौलादी सिंह ने लम्बू को असर उछाला था, उसी ने कोई गड़बड़ की होगी।

लेकिन उन लोगो ने कैमरा और माइक्रो फोन बेकार कैसे किए ?

यह तो वाकई सोचने वाली बात है. पर यह मत भूलो कि वह तीनों बहुत ऊँची खोपड़ी के हैं, खास कर ड. जान. कोई तरकीब आ गई होगी उसके दिमाग में।

वह तीनों आजाद होने के चक्कर में होंगे, हमें फोरन वहाँ गार्डस भेजने चाहिए नाकि उन्हें रोका जा सके

मूर्खता मत करो।

किसी को फुसलाने की यह उनकी चाल भी हो सकती है, भूल गये, मास्टर ने क्या कहा था कुछ भी हो जाए, कमरे का दरवाजा मत खोलना।

कमरे में . . .

फौलादी सिंह फ्लोर के बल खड़ा हुआ।

अगले ही पल एक छोटी सी थैली उसके मुंह से बाहर आ गई।

इस थैली में क्या है।

कार्टूनिस्ट प्राण के शरारती पात्र 'बिल्लू' से मिलिए अगले माह बिल्लू और तोप में। साथ में 'बिल्लू' का

http://aslushpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

एक कैप्सूल बम और बेहोश कर देने वाली गैस का एक कैप्सूल है इसमें

ऐसे हीरोइन मोक के लिए मैंने दोनों कैप्सूल थैली में रख कर निकाल लिए थे

अगले ही पल [illegible] कट लगाने लगा -

सूंऽऽऽसूं

कुछ देर बाद -

धड़ाम

पहले लम्बू बाहर निकला -

आ जाओ लाइन क्लीयर है

लगता है प्रो. कोफ्लांग को इस कमरे पर बड़ा नाज़ था तभी उसने आस पास गार्ड लगाने की ज़रूरत नहीं समझी

उसका ये बना सही था अगर तुम्हारे पास कैप्सूल न होता तो हम सारी जिन्दगी इस कमरे से न निकल पाते ।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://in.bymath.blogspot.com

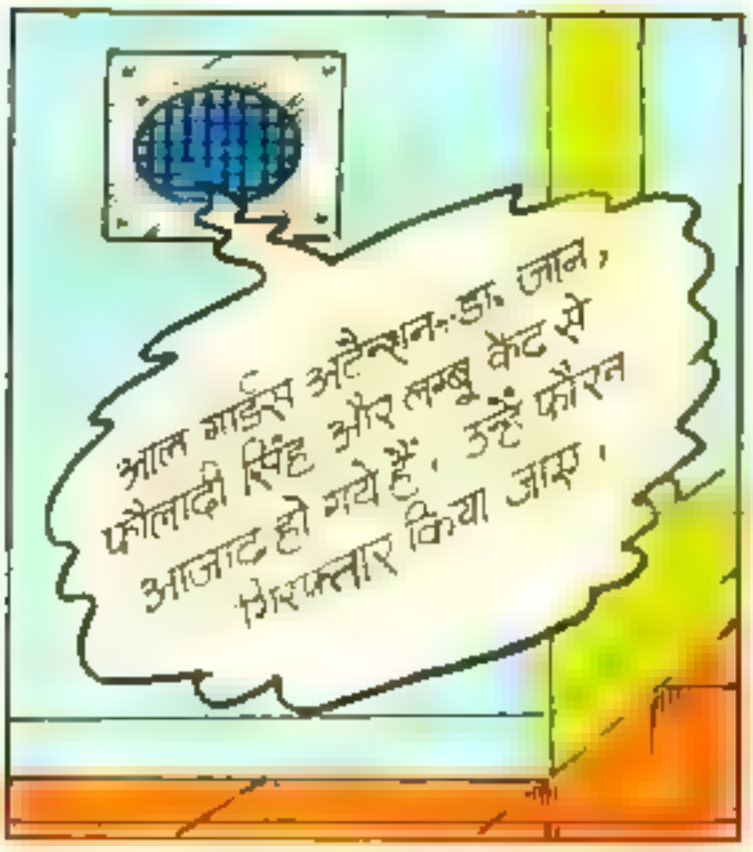

डायमण्ड कामिक्स अगले माह से विश्वविख्यात पात्र **स्पाईडर मैन** के कारनामें लेकर आ रहे हैं। साथ में

http://aslushpathak-comics.blogspot.com

http://deathtal-comics.blogspot.com

बिना एक पल बेकार किये वह बचे हुए गार्डों की ओर झपटा।

अरे, वह हमारी ओर आ रहा है।

उफ, लगता है इसके पैरों में स्केटिंग लगी हुई है।

इसे रोको।

इससे पहले कि उनकी गनें फौलादी सिंह को निशाना बनातीं, उसने मरे हुये गार्डों से छीनी हुई स्टन किरण पिस्तौल से उन गार्डों पर हमला कर दिया।

धूंऽऽऽ धूंऽऽऽ धूंऽऽऽ

आह।

उफ।

न ऽ ऽ ऽ हीं ऽ।

अंकल लम्बू.. आओ, अपनी पसन्द की गनें उठाने जल्दी करो।

डा. जान और लम्बू गनें उठा ही रहे थे कि –

बचो अंकल लम्बू।

http://deathtal-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

इससे पहले कि वह दोबारा फ़ायर करता—

धांय धांय धांय

डा० जान के टापू पर —

प्रो० चांग, चेक मशीन फिट हो गई?

यस मास्टर.

पहला टारगेट किस शहर पर सैट किया है?

फिलीपाइन्स के एक शहर, मार्कोस पर

गुड. सारी दुनिया की रेडियो टी. वी. वायरलैस ट्रांसमीटर लाइनें ब्रेक करके अपने विश्व सम्राट होने का ऐलान कर दो.

कुछ देर बाद —

दुनिया वालों को डा० जान का प्रणाम. मैं क्या हूं, मेरी शक्ति क्या है, आप सब अच्छी तरह जानते हैं. मैंने सारी दुनिया को एक झण्डे तले लाने का फैसला किया है ताकि रोज रोज होने वाली मारकाट, जंगों से दुनिया को छुटकारा मिल जाए. सब लोग शांति से, भाई चारे से रहें. काले-गोरे, हिन्दू-मुस्लिम, सिख - ईसाई का कहीं भेद भाव न हो. ऐसा तभी हो सकता है जब दुनिया पर एक आदमी की हुकूमत हो, और वह आदमी हूं मैं - - -

और अब हर माह सुनिये, अपने मनपसंद चरित्रों के रोमांचक एवं मनोरंजन से भरपूर कारनामें, अपने घर
कॉमिक्स आडियो कैसेट में—दो सम्पूर्ण कामिक्स । मूल्य 25/— रुप
http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://aashirpathak-comics.blogspot.com

मेरे पास दुनिया पर हुकूमत करने की ताकत है या नहीं, इसका फैसला आप मेरा यह कारनामा देख कर कीजिएगा यह फिलीपाइन्स का एक शहर है।

अगले ही पल –

धड़

धड़

धड़

धड़ाम

http://aashirpathak-comics.blogspot.com

http://aslusipathal-comics.blogspot.com

सर्वनाश का नक्शा अपने देश लिए जाने पर
पहले पाँच मिनट के अन्दर क्या-क्या भी हो
की इसी तरह कल्पना

अगर तबाही के बारे में पेंटागन
के अन्दर कोई ऐसा सीन भी
कर सकता मगर सच में ऐसा
ऐसे में देश की रक्षा में कुछ न हो
को खत्म ही समझ लेना

डा० जान की इस ऐलान से सारी दुनिया में सनसनी मच गई।
अमेरिका के रक्षा मंत्री ने रूस के रक्षा मंत्री को फोन किया -

मि० सारवोव, हम डा० जान की धमकी से डरेंगे नहीं हमें टापू पर हमला करना चाहिए

हमारा भी यह विचार है, इस काम में हमें इण्डिया की मदद लेनी चाहिए डा० जान का टापू इण्डिया के करीब है,

उधर कोयांग के टापू पर

संग, इन दोनों का रक्षा पावर हाउस की ओर है गाक्स की नई खेप भी उधर भेजो अगर पावर हाउस नष्ट हो गया तो सब बेकार हो जायेगा

मैं गाक्स भेजता हूँ तुम फौलादी सूट के इन्तजाम करो, पता नहीं यह टापू तबाही मचा रहा होगा?

प्यारे बच्चों, अगले माह से 'डायमण्ड कामिक्स' की 'वीडियो कैसेट' आपका मनोरंजन, आपके घर, आपके टेलीविजन पर करेंगी उपलब्ध होगी। मूल्य 125/ रुपये, साथ में 20/ रुपये की ऑडियो कैसेट मुफ्त

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

फौलादी रिपंह भागता हुआ एक मोड़ पर पहुचा

उसने गैलरी की छत मे लगा माइक्रो फोन और कैमरा नष्ट कर दिया

मुझे जल्द से जल्द कन्ट्रोल रूम पर कब्जा कर लेना चाहिए,वरना प्रो. वोंगचंग तक हमारे आगाट होने की खबर पहुंच गई तो वह सावधान हो जाएगा।

उफ्,मुझे नहीं लगता गार्ड्स इन पर काबू पा सकेंगे। मास्टर को खबर करो, देखो वह क्या कहते हैं

हैलो हैलो सुनो फ्रोम हैड क्वार्टर्स ओवर

इससे पहले कि उधर से जवाब मिलता

आह!

नहीं

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

हैलो अंकल, लम्बू, मैंने कन्ट्रोल रूम पर कब्जा कर लिया है अब आप लोग पावर हाउस न जा कर दायीं ओर सी पोर्ट की ओर बढ़िये

मिशन में फौलादी सिंह इस अन्डर ग्राउण्ड दुनिया को नष्ट करने जा रहा है जितनी जल्दी हो सके यह जगह छोड़ दो

उसने डेंजर जोन में दस मिनट बाद का टाइम सैट किया ।

उसके बाद पावर हाउस, कन्ट्रोल रूम, एयर पोर्ट, सीपोर्ट एक्सप्लोसन स्टोर आदि स्थानों के ब्लास्ट बटन पुश करता चला गया

दस मिनट बाद इस टापू समेत इस अन्डर ग्राउण्ड दुनिया का जर्रा-जर्रा समुद्र में समा जाएगा ।

वहां से निकल कर फौलादी भागता हुआ सी पोर्ट पहुंचा ।

मिशन पनडुब्बी स्टार्ट कोलेप्स चक्रों ।

पनडुब्बी स्टार्ट होकर एक सुरंग से होती हुई समुद्र में आ गई ।

स्पीड बढ़ाओ अंकल, ब्लास्ट में सिर्फ दो मिनट बाकी हैं ।

'खतरनाक हाइकू' के साथ 'फौलादी सिंह' की अजीबोगरीब टक्कर अगले माह पढ़िये—फौलादी सिंह और

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

डा. जान पनडुब्बी की रफ्तार बढा कर उसे गहराई में लेते चले गये.दो मिनट बाद .

धड़ाम

धड़ाम

एक अगर हम समय हम गहराई मे न होते तो पन डुब्बी को उलटने से कोई नहीं रोक सकता था

उधर भारत के सैनिक एयर पोर्ट से अमेरिका,रूस,भारत आदि देशके लड़ाकू विमानों ने डा. जान के टापू की ओर उड़ान भरी

मास्टर,लड़ाकू विमान टापू पर हमला करने आ रहे हैं .

नष्ट कर दो सब को !

विमान टापू के करीब पहुंचे ही थे कि -

धड़ाम

धड़ाम

धड़ाम

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

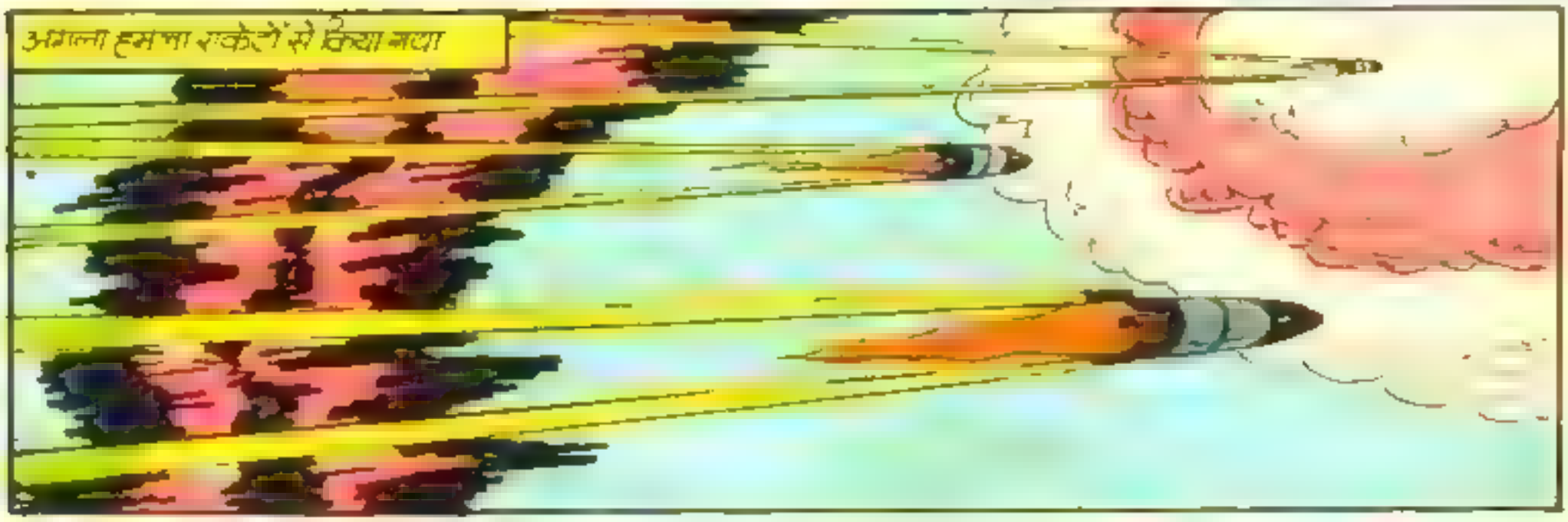

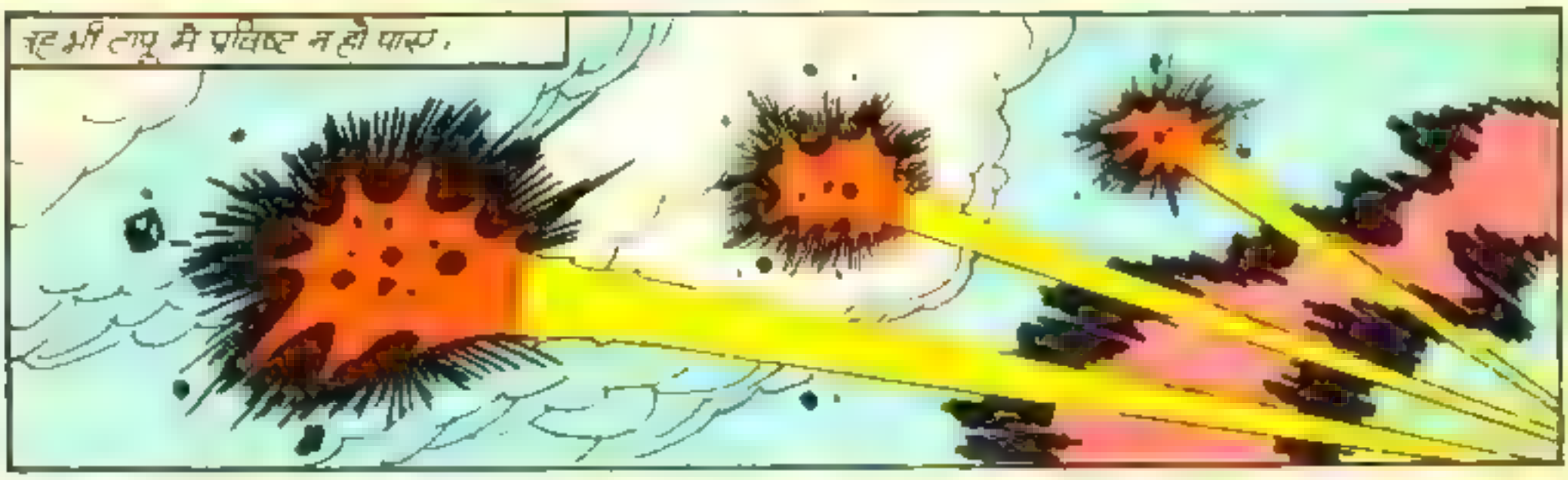

अगले माह– 'डायमण्ड कामिक्स' की सनसनी, थ्रिल व रोमांच से भरपूर कामिक 'अग्निपुत्र और रेगान पढ़ना

'चाचा चौधरी' की आडियो कैसेट फ्री प्राप्त करें।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

उधर

पनडुब्बी यहीं रोक दो भंवरा !

कैमरों के अलावा भी तो कुछ खतरनाक इन्तजाम कर रखे होंगे आपने टापू के सुरक्षा के लिए ?

आगे कैमरों की रेंज शुरू हो जाती है हम टापू के कन्ट्रोल रूम मे देख लिए जाते

हां स्पर्श सुरंगें और करेन्ट सर्किट फैला रखा है मैंने, चारों तरफ ।

तब तो हमारा टापू तक पहुंच पाना मुश्किल है ।

मेरे पीछे चले आओ ।

घबराओ मत-जिस सुरक्षा घेरे को मैंने बनाया है उसे मैं तोड़ भी सकता हूं ।

कुछ देर बाद –

हम जिस गहराई मे चल रहे हैं हमें उसी मे चलना है अगर हमारी पोजीशन जरा भी ऊपर नीचे हुई तो न सिर्फ हम कैमरों की पकड़ मे आ जायेंगे बल्कि स्पर्श सुरंगों या करेन्ट सर्किट की चपेट मे आ जायेंगे ।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

अचानक ..

रुक जाओ

वह देखो स्पर्श सुरंगें नेर रहे हैं ,

क्या हुआ .

अ० जाल ने गन स्वीपर से निशाना चिवा और

कट

शूऽऽऽ शूऽऽऽ

गन स्वीपर स्पर्श सुरंगों को नष्ट करने के काम में आती हैं .

कई स्पर्श सुरंगो और करेक्ट सांकेतों को बेकार करते हुए अ० जाल एण्ड पार्टी टापू की जर्मन तक पहुंच गई ..

उन गुप्त रास्ता जहाँ से अंकल / जिमखाना जिक्र आपने किया था

रुकना पड़ेगा .

तीनों गुप्त रास्ता तलाश करने गये ..

"महाबली शाका" ने 'गोल्ड के तस्करों' का अन्त किस खूबी से किया ? अगले माह पढ़िये--**महाबली शाका और गोल्ड स्मगलर** । साथ में 'महाबली शाका' का रंगीन मुखौटा फ्री ।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://ashushpathak-comics.blogspot.com

अंकल, फैलाद, इधर अंडो मिल गया

तब आन ने एक रास्ता खोला

यहां तो बड़ा अन्धेरा है।

अभी रोशनी हुई जाती है।

आन ने अन्धेरे मे कोई बटन दबाया, न सिर्फ रोशनी हो गई बल्कि एक और रास्ता नजर आने लगा।

यह एक पाइप है, इसमें एक आदमी गुजर सकता है हमें इससे आगे बढ़ना है।

तीनो उस पाइप मे समा गये और आगे बढने लगे।

http://ashushpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak.com.blogspot.com

चौबीस घण्टे पूरे होने ही —

मेरा दिया हुआ समय पूरा हो गया जिन देशों ने मेरी आज्ञा नहीं मानी है मैं उन्हें तबाह करने जा रहा हूँ पहला नम्बर भारत का है

अरे बटन दबाने पर कोई कम्पन क्यों नहीं हो रहा है

तभी —

कम्पन होगा भी नहीं मैंने चाइनीज काट काट तुम्हारी चेक मशीन बेकार कर दी है।

न तुम यहाँ !

हा अभी दुनिया की कोई जेल ऐसी नहीं है जो हमें ज्यादा दिन कैद रख सके

प्रो. कोफाग की तबाही देखने के लिए बेचैन —

हैलो मास्टर कई स्थानों पर हमारे गाड़ी बमों तबाही मिली है

आखिर कौन मार रहा है उन्हें ?

हमारे अलावा और कौन मार सकता है ?

4

कार्टूनिस्ट प्राण के शरारती पात्र 'बिल्लू' से मिलिए अगले माह बिल्लू और तोप में। साथ में 'बिल्लू' का

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

http://aashpathak-comics.blogspot.com

प्रो० कोफांग फ्लैशबैक में चला गया -

मैं तो कहता हूँ
अब निकालिये बन्दी
भवानी को पहले मारते
जाओ!

नम्बर दस में
चेक दो पुलिस
चौकी में

कुछ देर बाद -

दुनिया वालो, मैं डा० जान
बोल रहा हूँ, जिसने विश्व
सम्राट बनने का दावा किया था
वह यह बहुरूपिया था असली
अपराधी यह भी नहीं, बल्कि
प्रो० कोफांग है जो नकली
डा० जान और मेरे टापू
की ओट में यह खेल -
खेल रहा था.

उसने चुने हुए
खेल और जम्बू को
एक टापू पर बंद
कर रखा था पर
हमने बच के आ कर
हो कर उसके
मन्सूबों पर पानी
फेर दिया

जी हाँ बाद में संयुक्त राष्ट्र संघ की सेना टापू पर पहुँच गई प्रो० कोफांग नकली डा० जान और उनके आदमियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दुनिया आपलोगों का अहसान कभी नहीं भूलेगी एक बार फिर आपलोगों ने विश्व सम्राट बनने का अपना देखने आये एक सिर पे वैज्ञानिक के क्रोध से दुनिया वालों को बचा लिया।

इसमें अहसान कैसा? यह तो हमारा फर्ज था

समाप्त

http://aashpathak-comics.blogspot.com

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

चिंपू और नरभक्षी फूल

C-28

सम्पादक : गुलशनराय

चित्रकथा : शकील अनवार सिद्दीकी

चिंपू अपने मित्र जम्मी से मिलने नगर आया हुआ था वापसी में जम्मी ने कहा कि वह चिंपू को अपनी कार में सुंदरवन छोड़ने चलेगा!

जम्मी थोड़े दिनों में ही अच्छी कार चलाने लगा था · वह शीघ्र ही सुंदरवन पहुँच गये!

सुन्दर वन

लो चिंपू! तुम्हारा सुंदरवन आ गया!

तुम्हारी कार में तो रास्ते का पता ही नहीं चला?

यह तो ठीक है लेकिन लगता है मुझे वापिस जाकर कार की मरम्मत करानी होगी.. इस सड़क को पक्का क्यूँ नहीं बनवाते?

जंगल के रास्ते टेढ़े-मेढ़े ही होते हैं।

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://aslishpathak-comics.blogspot.com/

अरे अरे जम्मी कार रोको ! यह तुम गलत रास्ते पर चल रहे हो.

भई कमाल है ! मैं तो ठीक रास्ते पर चल रहा था.

हाँ कुछ अजीब सा लग रहा है ! यह स्थान ...? जब मैं नगर गया था तब यहाँ...

... यह सब नहीं था लगता है जगह वही है कुछ यहाँ बदला गया है ...

यह बोर्ड तो देखो!

'आगे भूत रहते हैं' वाह वाह ! ख़ूब ! ज़रूर किसी की शरारत है जम्मी! इस स्थान से जंगल वासियों को दूर रखने की तरकीब लगती है ?

तुम ठीक कहते हो चिंपू ! मैं ने भी महाबली शाका की चित्रकथा में पढ़ा था कि जंगल के अंध विश्वासियों को दूर रखने के लिये एक अपराधी वैज्ञानिक ने नक़ली भूत बनाये थे.

?

http://aslishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

तभी पक्षियों के पर फड़फड़ाने की आवाज़ हुई

फड़! फड़!
फड़!
?

फड़ड़!
फड़ड़!

अरे बापरे! जहाज़ के बराबर तितलियाँ.....? बचो-बचो-! जम्मी!

मैं इस लकड़ी से इसकी ख़बर लेता हूँ! तुम एक ओर रह कर अपना ध्यान रखो!

चिंपू ने तितली पर भरपूर वार किया तो किसी धातु से टकराने की ज़ोरदार आवाज़ गूँजी!

टनांग

अरे...यह तो मशीनी तितली है!

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/

http://ashishpathak-comics.blogspot.com

और अब यह बिल्कुल बेकार हो चुकी है !!

तभी एक और

फड़ड़

फड़ड़

यह कैसी आवाज़?

सड़प!

दूसरी तितली टूटकर गिरी !

यह भी गई काम से !

गप!

यह आवाज़ मैं ने पहले भी सुनी थी। देखना चाहिये आगे क्या गुल खिलता है !

सड़प!

नीचे झाँकने पर वह हैरान रह गये - एक दैत्याकार मेंढक टूटी हुई मशीनी तितली को निगल रहा था.....!

फिर क्या हुआ ?

चिपू और जम्मी उस दैत्याकार मेंढक से किस प्रकार बचे ?

इससे आगे की कहानी जानने के लिए पढ़िये- "लम्बू-मोटू और बर्फ का दैत्य" !

http://ashishpathak-comics.blogspot.com/